Academe *Journal of Education & Psychology* *ISSN: 2249-040X*
Volume-16, Issue-2, Year-2026 (July-December) *Peer Reviewed & Refereed Journal (IF: 6.25)*
PP: 128-132 *Journal Website* www.academejournal.in

स्नातक स्तर के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी व असहभागी छात्र एवं छात्राओं की सामाजिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन

ओमपाल सिंह

षिक्षाषास्त्र विभाग
डी0 ए0वी0 कालेज, कानपुर

रेनू त्यागी

शोध छात्रा
षिक्षाषास्त्र विभाग, डी0 ए0वी0 कालेज, कानपुर

शोध सारांष

शिक्षा व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्यु तक चलने वाली प्रक्रिया हैं जो केवल किसी विशेष विषय तक ही सीमित नहीं रहती, बल्कि व्यक्ति के सामाजिक प्राणी होने के नाते व्यावहारिक जीवन से भी सम्बन्धित रहती है षिक्षा व्यक्ति को सामाजिक जागरूकता और सामाजिक सेवा के महत्व को समझने में मदद करती है तथा उन्हें समाज में अपने कर्तव्यों एवं दायितवों का बोध कराती है इस प्रकार के व्यवहार को सीखने के लिये विद्यालय–प्रांगण में पाठ्यक्रम सह–क्रियाओ की व्यवस्था की जाती है। इस प्रकार की पाठ्य सहगामी क्रियाओं में एक प्रमुख कार्यक्रम स्काउट्स एंड गाइड्स कार्यक्रम (रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम) हैं, जो छात्र–छात्राओं को सामाजिक जागरूकता और सामाजिक सेवा के महत्व को समझने में मदद करता है। प्रस्तुत शोधपत्र में शोधाकर्ती ने महाविद्यालय स्तर पर प्रचलित रोवर्स और रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी व असहभागी 400 स्नातक छात्रों–छात्राओं की सामाजिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया और पाया कि पाठ्य–सहगामी क्रिया के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी छात्र–छात्राओं की सामाजिक बुद्धि तुलनात्मक रुप में असहभागी छात्र–छात्राओं से उच्च स्तर की है।

मुख्य शब्दः रोवर्स और रेंजर्स कार्यक्रम, सामाजिक बुद्धि एंव सहभागी व असहभागी छात्र।

परिचय

शिक्षा एक निरन्तर गतिषील प्रक्रिया है जिससें समय के साथ–साथ शिक्षा के स्वरूप में भी परिवर्तन होते रहें है सर्वप्रथम शिक्षा विषय आधारित थी। अर्थात छात्रों को अधिक से अधिक विषयगत शिक्षा प्रदान करने पर बल दिया जाता था इस समय की शिक्षा अत्यन्त संकुचित, संकीर्ण तथा अव्यावहारिक थी। तथा बालक के व्यक्तित्व का संर्वागीण विकास करने में असमर्थ थी। इसके कुछ समय पष्चात् शिक्षा मानव आवष्यकता आधारित थी। परंतु जब से बालक को शिक्षा का केन्द्र माने जाना लगा है तब से शिक्षा का स्वरूप ही बदल सा ही गया इसके अन्तर्गत विद्यालय षिक्षा में कक्षा–अध्ययन के साथ–साथ पाठ्य सहगामी क्रियाओं को भी अति महत्वपूर्ण माना जाने लगा और ये पाठ्य सहगामी क्रियायें छात्रों के संर्वागीण विकास के लिए शिक्षा का एक आवश्यक अंग बन गई। वर्तमान षिक्षा प्रक्रिया में अनेक सहगामी क्रियायें जैसे संगीत, नाटक, वाद–विवाद, स्काउटिंग एवं गाइडिंग तथा पर्यटन आदि एक आवश्यकता बन गई है।

पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं के द्वारा बालक की मूलप्रवृत्तियों का परिषोधन होता है जो सामाजिक दृष्टि से लाभदायक है जिससे बालक में खेलकूद व्यायाम, सामाजिक सेवा, वाद–विवाद आदि का विकास सरलता से किया जा सकता हैं। पाठ्यसहगामी क्रियाओं के द्वारा ही बालको में सामाजिक भावना तथा सामाजिक बुद्धि का विकास किया जाता है। समाज–सेवा शिविर, स्काउंटिंग, समाज पर्यवेक्षण, श्रमदान, रेडक्रास आदि सहगामी क्रियाओं के द्वारा बालको में सामाजिक आचार–विचार, तथा सामाजिक व्यावहारो को विकसित किया जा सकता है जिससे उनमें समाज सम्बन्धी गतिविधियो के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण एंव उत्तरदायित्व की भावना का विकास होता हैं।

वर्तमान समय में षिक्षा के माध्यमिक स्तर पर स्काउट्स एंड गाइड्स सहगामी क्रिया का संचालन लगभग सभी विद्यालयों में प्रचलित है। स्काउट्स एंड गाइड्स के माध्यम से बालको में व्यावहारिक ज्ञान का विकास होता हैं। इससे बालको के व्यक्तित्व का सन्तुलित विकास, शारीरिक विकास एंव बौद्विक विकास होता है। इनके आयोजन से न केवल व्यक्ति को लाभ होता है वरन समाज तथा राष्ट्र को अच्छे नागरिक मिलते हैं जो 'जनतंत्रात्मक शासन–व्यवस्था' को चलाने का नेतृत्व गुण विकसित कर लेते हैं षिक्षा के उच्च स्तर पर स्काउट्स एंड गाइड्स कार्यक्रम को रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के रूप में जाना जाता है जिसके तहत नामांकित छात्र, लड़के रोवर और लड़कियाँ रेंजर्स के रूप में जाने जाते है, जिनका आयु समूह 17–25 वर्ष है, रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम एक प्रमुख युवा स्वयंसेवी संगठन है जो महाविद्यालयों के छात्रों को कक्षाओं के साथ–साथ बाहरी दुनिया की खोज करने, आत्मविश्वास बढ़ाने, नेतृत्व कौशल विकसित करने, टीम निर्माण करने और हमारे देश के जिम्मेदार और सक्रिय नागरिक बनने में मदद करता है।

सामाजिक बुद्धि के सन्दर्भ में, रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम छात्र–छात्राओं को सामाजिक जागरूकता और सामाजिक सेवा के महत्व को समझने में मदद करता है। यहां, उन्हें समाज में अपने कर्तव्यों का बोध कराया जाता है और वे विभिन्न समुदाय सेवा परियोजनाओं में भाग लेते हैं, इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्र–छात्राएं सामाजिक जिज्ञासा, सहयोग,

© Copyright @ Authors

और सामूहिक अभिवादन कौशल में सुधार करके एक अच्छे मानवीय व्यवहार को प्रदर्षित करते हैं। जिससे उनकी सामाजिक बुद्धि में सुधार होता है और वे परिवार के सदस्यो, समाज तथा सहपाठियो के साथ समायोजन कर लेते हैं तथा सामाजिक कार्यों में रूचि लेते है

अध्ययन की आवश्यकता

रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम में सहभागिता का प्रभाव सामाजिक बुद्धि पर भी होता है। इससे छात्रों में समाज सम्बन्धी गतिविधियो के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण एंव उत्तरदायित्व की भावना का विकास होता हैं। यह अध्ययन दिखा सकता है कि कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्र–छात्राएं अपने सामाजिक विकास के साथ– साथ सामाजिक जिज्ञासा, सहयोग और सामूहिक अभिवादन कौशल में सुधार करके एक अच्छे मानवीय व्यवहार को प्रदर्षित करके जीवन का आनन्द ले सकते हैं। तथा सामाजिक समस्याओं का समाधान कर अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते है। इस अध्ययन के परिणाम शैक्षिक नीतियों और कार्यक्रमों के निर्माण में मदद कर सकते हैं। इससे सहभागिता की अधिक गहराई और विस्तार की जानकारी प्राप्त हो सकती है। रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी और असहभागी स्नातक छात्रों–छात्राओं की सामाजिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन हमें यह जानने में मदद करता है कि कैसे इस कार्यक्रम की भागीदारी स्नातक छात्रों–छात्राओं के व्यक्तिगत, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में वृद्धि करती है।

शोध कथन: " स्नातक स्तर के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी व असहभागी छात्रों की सामाजिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन "

अध्ययन के उद्देश्य

- स्नातक स्तर के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी छात्रों–छात्राओं की सामाजिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- स्नातक स्तर के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी व असहभागी छात्रों– छात्राओं की सामाजिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- स्नातक स्तर के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी व असहभागी छात्रों की सामाजिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- स्नातक स्तर के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी व असहभागी छात्राओं की सामाजिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अनुसंधान परिकल्पना

- स्नातक स्तर के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी व असहभागी छात्र–छात्राओं की सामाजिक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
- स्नातक स्तर के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी व असहभागी छात्रों की सामाजिक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
- स्नातक स्तर के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी व असहभागी छात्राओं की सामाजिक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
- स्नातक स्तर के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी छात्र व छात्राओं की सामाजिक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तकनीकी शब्दों की क्रियात्मक परिभाषा

रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम: वर्तमान समय में षिक्षा के माध्यमिक स्तर पर स्काउट्स एंड गाइड्स कार्यक्रम का संचालन लगभग सभी विद्यालयों में प्रचलित है। स्काउट्स एंड गाइड्स के माध्यम से बालको में व्यावहारिक ज्ञान का विकास होता हैं। इससे बालको के व्यक्तित्व का सन्तुलित विकास, शारीरिक विकास एंव बौद्धिक विकास होता है। षिक्षा के उच्च स्तर पर स्काउट्स एंड गाइड्स कार्यक्रम को रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के रूप में जाना जाता है जिसके तहत नामांकित छात्र, लड़के रोवर और लड़कियाँ रेंजर्स के रूप में जाने जाते है

रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम महाविद्यालय स्तर पर एक प्रमुख युवा स्वयंसेवी संगठन है जो भारतीय युवाओं को देश सेवा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यक्तियों, जिम्मेदार नागरिकों और स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समुदायों के सदस्यों के रूप में उनकी पूर्ण शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक और आध्यात्मिक क्षमताओं को प्राप्त करने में युवाओं के विकास में योगदान देना है।

रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी छात्र: उच्च शिक्षण संस्थानों में स्नातक पाठयक्रम के छात्र, जो स्काउट्स एंड गाइड्स कार्यक्रम में नामांकित होते है, वो छात्र रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी छात्र कहे जाते हैं।

© Copyright @ Authors

रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के असहभागी स्नातक छात्रः उच्च शिक्षण संस्थानों में स्नातक पाठयक्रम के छात्र, जो स्काउट्स एंड गाइड्स कार्यक्रम में नामांकित होते है, वो छात्र रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के असहभागी छात्र कहे जाते हैं।

सामाजिक बुद्धिः वह बुद्धि जो मनुष्यो को अपने समाज में समायोजन करने एवं सामाजिक कार्यों में सहायता करती है, उसे थार्नडाइक ने सामाजिक बुद्धि की संज्ञा दी है। जिन बच्चों में इस प्रकार की बुद्धि की अधिकता होती है वे परिवार के सदस्यो, समाज तथा सहपाठियो के साथ समायोजन कर लेते हैं तथा सामाजिक कार्यों में रूचि लेते है ऐसे बच्चे आगे चलकर अच्छे व्यवसायी समाज सेवक एंव राजनेता बनते है तथा एक अच्छे मानवीय व्यवहार को प्रदर्षित करते हैं। सामाजिक बुद्धि अन्तर्वैयक्तिक बुद्धि के समतुल्य है जो व्यक्ति को अन्य लोगो के भावों, सवेंगो, आवष्यकताओं तथा अभिप्रेणाओं को समझने में समर्थ बनाती हैं अर्थात सामाजिक बुद्धि व्यक्ति की वह योग्यता है जो उसे मानवीय सम्बन्धों को चातुर्यपूर्ण ढंग से समझने तथा उनके प्रबन्धन करने में सहायता करती है।

अनुसंधान विधिः प्रस्तुत अनुसंधान में शोधकर्ती ने अध्ययन के उद्देश्य और साधनों की प्रकृति को

दृष्टिगत रखते हुए अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

शोध जनसंख्याः शोध अध्ययन में जनसंख्या से तात्पर्य सम्पूर्ण समष्टि के निरीक्षण से होता है। इसमें से उपयुक्त न्यादर्श चयन विधि द्वारा इकाइयों का चयन करके न्यादर्श तैयार किया जाता है। समष्टि के सबसे छोटे भाग अथवा अंग को इकाई कहते हैं अतः समष्टि इन इकाइयों अथवा व्यक्तियों का सामूहिक रूप होती है।

प्रस्तुत अनुसंधान में कन्नौज जिले में स्थित समस्त राजकीय तथा अनुदानित महाविद्यालयों (जिनमें रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम संचालित हैं) में अध्ययनरत समस्त स्नातक छात्र–छात्राओं को मिलाकर शोध अध्ययन की जनसंख्या निर्मित की गयी है।

शोध न्यादर्शः सम्पूर्ण जनसंख्या का अध्ययन करना कठिन ही नहीं वरन् कभी–कभी असम्भव भी होता है। अतः न्यादर्श सम्पूर्ण जनसंख्या का वह अंश होता है जो अपनी समष्टि की समस्त विशेषताओं का प्रतिनिधित्व करता है।

शोध न्यादर्श के चयन में साधारण यादृश्छिक प्रतिदर्श चयन विधि का प्रयोग गया है। इस विधि से शोधार्थीनी द्वारा कन्नौज जिले के राजकीय और अनुदानित महाविद्यालयों (जिनमें रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम संचालित हैं) से 400 स्नातक छात्र–छात्राओं का न्यादर्ष के रूप में चयन किया गया हैं।

शोध उपकरणः प्रस्तुत शोध में शोधार्थीनी ने निम्न अनुसंधान उपकरण का चयन किया है–

सामाजिक बुद्धि मापनी (Social Intelligence Scale) : डा0 एन. के. चड्ढा और डा0 उषा गणेशन (हिंदी माध्यम), National Psychological corporation, Agra ।

सांख्यिकीय तकनीकः प्रस्तुत शोध की आवश्यकता के अनुरूप आँकड़ों के विश्लेषण के लिए निम्नलिखित मध्यमान, मानक विचलन तथा टी–परीक्षण सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन का सीमांकनः प्रस्तुत शोध अध्ययन उत्तर प्रदेष कन्नौज जिले के महाविद्यालयों के स्नातक स्तर के छात्र–छात्राओं तक सीमित है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पनाः 1 स्नातक स्तर के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी व असहभागी छात्र–छात्राओं की सामाजिक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

क्रम संख्या	समूह संख्या	तुलनात्मक समूह	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मान
1.	200	सहभागी छात्र	92.17	20.17	2.09
2.	200	असहभागी छात्र	88.04	19.50	

उक्त तालिका के विश्लेषण से स्पष्ट है कि सहभागी छात्र–छात्राओं की सामाजिक बुद्धि का मध्यमान 92.17 तथा प्रमाणिक विचलन का मान 20.17 प्राप्त हुआ। जबकि असहभागी छात्र–छात्राओं की सामाजिक बुद्धि का मध्यमान 88.04 तथा प्रमाणिक विचलन का मान 19.50 प्राप्त हुआ। 'टी' परीक्षण का प्रयोग करने पर 'टी' का मान 2.09 प्राप्त हुआ जो कि स्वातंत्र्य कोटि 398 पर 0.05 सार्थकता स्तर के टी तालिका मान 1.97 से अधिक है। अतः दोनो समूह के मध्यमानों का अन्तर सार्थक होने पर शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। सार्थक अन्तर होने का कारण दोनों समूहों के सामाजिक बुद्धि में पर्याप्त भिन्नता का होना हो सकता है। अतः दोनों समूहों के छात्र–छात्राओं में रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी छात्र–छात्राओं की सामाजिक बुद्धि असहभागी छात्र–छात्राओं की सामाजिक बुद्धि की तुलना में उच्च स्तर रखती है।

परिकल्पनाः 2 स्नातक स्तर के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी व असहभागी छात्रों की सामाजिक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

© Copyright @ Authors

क्रम संख्या	छात्र संख्या	तुलनात्मक समूह	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मान
1.	100	सहभागी छात्र	87.93	20.024	0.33
2.	100	असहभागी छात्र	88.83	18.598	

उक्त तालिका के विश्लेषण से स्पष्ट है कि सहभागी छात्रों की सामाजिक बुद्धि का मध्यमान 87.93 तथा प्रमाणिक विचलन का मान 20.024 प्राप्त हुआ। जबकि असहभागी छात्रों की सामाजिक बुद्धि का मध्यमान 88.83 तथा प्रमाणिक विचलन का मान 18.598 प्राप्त हुआ। 'टी' परीक्षण का प्रयोग करने पर 'टी' का मान 0.33 प्राप्त हुआ जो कि स्वातंत्र्य कोटि 198 पर 0.05 सार्थकता स्तर के टी तालिका मान 1.97 से कम है। अतः मध्यमानों का अन्तर सार्थक नहीं होने पर शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। सार्थक अन्तर नहीं होने का कारण दोनों समूहों छात्रों की सामाजिक बुद्धि में समानता का होना हो सकता है। अतः रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी असहभागी समूहों के छात्रों की सामाजिक बुद्धि के स्तर में समानता प्रदर्षित होती है।

परिकल्पनाः 3 स्नातक स्तर के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी व असहभागी छात्राओं की सामाजिक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

क्रम संख्या	छात्रायें संख्या	तुलनात्मक समूह	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मान
1.	100	सहभागी छात्रायें	96.41	19.50	3.24
2.	100	असहभागी छात्रायें	87.25	20.42	

तालिका से स्पष्ट है कि सहभागी छात्राओं की सामाजिक बुद्धि का मध्यमान 96.41 तथा प्रमाणिक विचलन का मान 19.50 प्राप्त हुआ। जबकि असहभागी छात्राओं की सामाजिक बुद्धि का मध्यमान 87.25 तथा प्रमाणिक विचलन का मान 20.42 प्राप्त हुआ। प्राप्त 'टी' मान 3.24 है जो कि स्वातंत्र्य कोटि 198 पर 0.01 सार्थकता स्तर के टी तालिका मान 2.60 से अधिक है। अतः सामाजिक बुद्धि के मध्यमानों का अन्तर सार्थक होने पर शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। अतः दोनों समूहों की छात्राओं में रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम में सहभागी छात्राओं की सामाजिक बुद्धि असहभागी छात्राओं की सामाजिक बुद्धि की तुलना में उच्च स्तर रखता है।

परिकल्पनाः 4 स्नातक स्तर के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी छात्र व छात्राओं की सामाजिक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

क्रम संख्या	छात्रायें संख्या	तुलनात्मक समूह	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मान
1.	100	सहभागी छात्र	87.93	19.50	3.02
2.	100	सहभागी छात्रायें	96.41	20.02	

तालिका से स्पष्ट है कि सहभागी छात्रों की सामाजिक बुद्धि का मध्यमान 87.93 तथा प्रमाणिक विचलन का मान 19.50 प्राप्त हुआ। जबकि सहभागी छात्राओं की सामाजिक बुद्धि का मध्यमान 96.41 तथा प्रमाणिक विचलन का मान 20.02 प्राप्त हुआ। प्राप्त 'टी' मान 3.02 है जो कि स्वातंत्र्य कोटि 198 पर 0.01 सार्थकता स्तर के टी तालिका मान 2.60 से अधिक है। अतः सामाजिक बुद्धि के मध्यमानों का अन्तर सार्थक होने पर शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। अतः सहभागी छात्राओं की सामाजिक बुद्धि रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी छात्रों की सामाजिक बुद्धि की तुलना में उच्च स्तर का प्रदर्षन करती है।

निष्कर्षः सांख्यिकी विष्लेषण के पश्चात प्राप्त परिणाम के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि पाठ्य–सहगामी क्रिया के रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी छात्र–छात्राओं की सामाजिक बुद्धि तुलनात्मक रुप में असहभागी छात्र–छात्राओं से उच्च प्रदर्षित होती है। जबकि रोवर्स रेंजर्स कार्यक्रम के सहभागी तथा असहभागी समूहों के छात्रों की सामाजिक बुद्धि के स्तर में कोई अंतर नहीं है तथा कार्यक्रम के सहभागी छात्राओं की सामाजिक बुद्धि सहभागी छात्रों की सामाजिक बुद्धि की तुलना में उच्च स्तर रखती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः

1. सांगवान, दिलीप कुमार (2019), राष्ट्रपति अवार्ड के पथ पर, गुरुग्रामः सत्य स्काउट गाइड प्रकाशन।
2. शर्मा, शशि कुमार (2014), सत्य स्काउट गाइड के पथ पर, गुरूग्रामः सत्य स्काउट गाइड प्रकाशन।
3. जैन, एस.आर. (2017), स्काउट गाइड ज्योति, संस्करण जनवरी–जून 2014, जयपुरः प्रीमियम प्रिन्टिग प्रैस।
4. 4. शर्मा, आर. ए. (1978), शिक्षा में अनुसंधान, मेरठः सूर्या पब्लिकेशन।

© Copyright @ Authors

5. राय, पारस नाथ, (1989) अनुसंधान परिचय, आगराः लक्ष्मी नारायण पब्लिकेशन।
6. भार्गव, डॉ. महेश, (1985) आधुनिक मनोविज्ञान परीक्षण एवं मापन, आगराः भार्गव बुक हाउस, राजा मण्डी।
7. पॉवल, लार्ड बेडन, (1994), स्काउटिंग फॉर ब्वायज, दिल्लीः एन.एच.क्यू. पब्लिकेशन।
8. 11. जौहरी, सोहन लाल, (2006), प्रगति पथ, दिल्लीः एन.एच.क्यू. पब्लिकेशन।
9. 12. अग्रवाल, अमरनाथ, (2005), स्काउट गाइड आंदोलन, इतिहास एवं नियम, जयपुरः ज्ञानेन्द्र प्रकाशन।
10. Singh, S. (2007) "Emotional intelligence, social intelligence, adjustment and personality differentials of adolescents with high and low creativity, Ph.D. (Edu.) Thesis, Panjab University, Chandigarh.
11. Prasad, S.K. (1995) "Social intelligence as related to adjustment of adolescents, M.Ed. dissertation, Panjab University, Chandigarh.
12. Bhatt, Y. I. & Khandai, H. (2016). Social Intelligence, Study Habits and Academic Achievements of College Students of District Pulwama, Research on Humanities and Social Sciences, 6 (7).
13. Best, J.W. (2001): Research in Education. (6th ed.), New Delhi, Prentice Hall of India.
14. Gakhar, S.C. and Bains, (2009) A study of social intelligence and achievement motivation of students of arts and science stream. Journal of educational studies, 7(2) 56-59.
15. बेवसाइटः
    a. www.shodhganga.org
    b. www.iosrjournals.org
    c. www.iiste.org

© Copyright @ Authors